Postal Registration No. VAL/092/2016-16

संघप्रदेश दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सवेरा इंडिया टाइम्स

रोनाल्डो के क्लब करियर में 700 गोल पूरे 7

राहुल गांधी जी के नेतृत्व में देश जुड़ रहा है, यात्रा को मिल रहा है अद्भुत प्यार 2

● संपादक : सतीश शर्मा ● वर्ष : 22 ● दमण ● 11 अक्टूबर 2022, मंगलवार ● पृष्ठ : 8 ● RNI Reg. No.DDHIN/2000/2555

सीएसआईआर - सीरी ने विकसित की सर्वाइकल कैंसर की जांच की स्वदेशी प्रणाली

गर्भाशय ग्रीवा (सर्विक्स) की स्थिति जानने में भी होगा उपयोगी

झुंझुनूं/पिलानी। भारत उन शीर्ष देशों में शामिल है जहां हर साल सर्वाइकल कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सामने आते हैं। देश में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा से जुड़े सरकारी एवं स्वयंसेवी संस्थानों के लिए यह अत्यंत चिंताजनक समस्या है। संस्थान के वैज्ञानिकों ने अपने शोध एवं विकास प्रयासों से इस समस्या का समाधान ढूंढ़ लिया है। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ सत्यम श्रीवास्तव एवं उनकी टीम ने सर्वाइकल कैंसर जांच के लिए आईओटी सक्षम स्मार्टफोन आधारित हैंडहेल्ड कोल्पोस्कोप विकसित किया है। संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने शोधकर्ता टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। सीएसआईआर-सीरी द्वारा इसी प्रौद्योगिकी की तकनीकी जानकारी का आदान-प्रदान समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) के माध्यम से और मेसर्स डिवाइन मेडिटेक प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा को विगत 7 अक्टूबर, 2022 को किया गया। डॉ. पी सी पंचारिया, निदेशक, डॉ. सत्यम श्रीवास्तव (प्रौद्योगिकी विकासकर्ता), टीम के अन्य सदस्यों, संस्थान के वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ संक्षिप्त समारोह में शामिल हुए। समझौता ज्ञापन पर संस्थान की ओर से श्री प्रमोद तंवर, प्रधान पीएमईबीडी, और डिवाइन मेडिटेक प्राइवेट लिमिटेड की ओर से श्री राजीव शर्मा, निदेशक ने हस्ताक्षर किए।

कॉल्पोस्कोपी एक चिकित्सा प्रक्रिया है जिसे गर्भाशय ग्रीवा (सर्विक्स) की स्थिति का पता लगाने और गर्भाशय ग्रीवा अर्थात सर्विक्स कैंसर का निदान करने के लिए भी किया जाता है। कॉल्पोस्कोप वह उपकरण है जो स्त्री रोग विशेषज्ञ को कॉल्पोस्कोपी प्रक्रिया के माध्यम से उपचार करने की सुविधा प्रदान करता है। हमारे देश में हर साल विभिन्न पश्चिमी देशों से बड़ी संख्या में कॉल्पोस्कोप उपकरणों का आयात किया जाता है जिसमें विदेशी मुद्रा व्यय होता है। इस महत्वपूर्ण कॉल्पोस्कोप में से अधिकांश बहुत महंगे एवं प्रकृति में भारी हैं और इसमें सीमित विशेषताएं भी हैं। सीएसआईआर - सीरी के वैज्ञानिक डॉ सत्यम श्रीवास्तव के नेतृत्व में संस्थान के शोधकर्ताओं की टीम ने सीएसआईआर द्वारा प्रायोजित मेक इन इंडिया मेडिकल मिशन परियोजना के अंतर्गत गर्भाशय ग्रीवा अर्थात सर्विक्स की स्थिति का पता लगाने के लिए और सर्वाइकल कैंसर के निदान के लिए एक स्वदेशी आईओटी सक्षम हैंडहेल्ड कोल्पोस्कोप प्रणाली विकसित की है। संस्थान द्वारा विकसित कोल्पोस्कोप प्रणाली में अत्याधुनिक विशेषताएं हैं, जैसे - त्वरित डेटा विजुअलाइजेशन और विश्लेषण के लिए स्मार्टफोन आधारित ऐप से कनेक्टिविटी, रोगियों और डॉक्टरों के बीच सीधे संचार अथवा संपर्क के लिए क्लाउड कनेक्टिविटी, सर्वाइकल कैंसर का समय से पूर्व पता लगाने के लिए सॉफ्टवेयर आधारित प्रक्रिया, ग्रामीण क्षेत्रों में लगाए जाने वाले शिविरों में प्रणाली के अनवरत एवं निर्बाध संचालन के लिए ऑन-डिवाइस रिचार्जेबल बैटरी सपोर्ट के अलावा इसकी कीमत भी कम होगी। इस प्रणाली को गहन परीक्षण के उद्देश्य के लिए विभिन्न अस्पतालों में तैनात किया गया है जिसके परिणाम उत्साहवर्धक रहे हैं।